

बिहार विधान-सभा बादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में सोमवार, तिथि. १२ मई १९५८ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर।

Short Notice Questions and Answers.

RECRUITMENT OF ASSISTANTS.

119. Shri DUMARLAL BAITHA: Will the Chief Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that there is a proposal of holding a centralised competitive examination for the recruitment of the Assistants of the Secretariat, Heads of the Department and of clerks of the mufassil offices in the State through Public Service Commission;

(2) if the reply to the above clause be in the affirmative, will Government be pleased to state as to when the above system of recruitment is going to be introduced, if not, why?

श्री केदार पांडे—(१) यह बात सही है कि सचिवालय विभाग के अधिकारियों के

कार्यालय तथा राज्य सरकार के मुफसिल कार्यालयों में सहायकों तथा लिपिकों की नियुक्ति के लिये एक केन्द्रीय प्रतियोगिता परीक्षा लोक-सेवा आयोग के द्वारा संचालित किये जाने का एक प्रस्ताव विचाराधीन है।

(२) यह प्रश्न अभी भी सरकार के विचाराधीन है और शीघ्र इस सम्बन्ध में आवश्यक निर्णय होने की आशा है।

*श्री डुमरलाल बैठा—क्या सरकार यह बतलायेगी कि यह प्रोपोजल सरकार के सामने सबसे पहले कब आया था?

श्री केदार पांडेय—यह प्रोपोजल सरकार के सामने सबसे पहले ३ अप्रैल १९५६ को आया था।

श्री डुमरलाल बैठा—क्या यह बात सही है कि इस सम्बन्ध में बिहार पब्लिक

सर्विस कमीशन से यह पूछा गया था कि क्या आपलोग इस तरह की परीक्षा होल्ड कर सकते हैं और यह बात १९५१ की है?

श्री केदार पांडे—यह बात ठीक है कि इस तरह का रेफरेंस हुआ था।

(४) क्या यह बात सही है कि बराड़ी गांव में दो बार डकैतियां हो चुकी हैं और यह गांव इटाड़ी, दिनारा और नावानगर थानों के सरहद पर पड़ता है और उस गांव में एक भी बन्दूक नहीं है ;

(५) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर "हां" में हैं, तो उस आवेदन-पत्र पर जिलाधीश का आखिरी फैसला हुआ या नहीं, यदि नहीं हुआ, तो इसकी वजह क्या है ?

डा० श्रीकृष्ण सिंह—(१) उत्तर नकारात्मक है ।

श्री महादेव पाण्डे का आवेदन-पत्र बक्सर के अनुमंडलाधिकारी के द्वारा जांच के बाद जिलाधीश के पास जुलाई, १९५७ में आया । उसी समय यह निश्चित किया गया कि बन्दूक के आवेदन-पत्रों की जांच कैम्प में आरक्षी-अधीक्षक के साथ की जाय । अतः उस निश्चय के अनुसार सन् १९५७ के अक्टूबर माह से बन्दूक के आवेदन-पत्रों की जांच कैम्प में जिलाधीश तथा आरक्षी-अधीक्षक के द्वारा की जाने की व्यवस्था की गई । अभी तक ३६ थानों में से २१ थानों के आवेदन-पत्रों की जांच हो चुकी है । और ६६१ बन्दूक आवेदन-पत्रों का निपटारा हो चुका है । नावानगर थाने के आवेदकों का साक्षात्कार (इंटरव्यू) जहाँ के श्री पाण्डे हैं, २४ मई १९५८ को बक्सर में रखा गया है ।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(३) पुलिस अधिकारी की सिफारिश से प्रतीत होता है कि श्री पाण्डे धनी तथा प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से हैं ।

(४) पुलिस के प्रतिवेदन से मालूम होता है कि बराड़ी गांव में १९४४ में एक डकैती हुई थी । यह गांव इटाड़ी और दिनारा की सीमा पर है । उस गांव में एक भी बन्दूक नहीं है ।

(५) खंड (१) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए यह प्रश्न नहीं उठता है ।

PROMOTION OF INSPECTOR TO THE RANK OF D. S. P.

1372. Shri RAM JANAM MAHTO : Will the Chief Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that under the existing Indian Police Service Rule, a Deputy Superintendent of Police on confirmation in the rank of Superintendent of Police (I. P. S.) counts his seniority from the date of his continuous officiation as a Superintendent of Police against a cadre post and is placed above the direct Assistant Superintendent of Police (I. P. S.) who starts officiating as a Superintendent of Police afterwards;

(2) if the reply to clause (1) be in affirmative, will Government be pleased to state if the same principle is applied to the Inspectors promoted substantively to the rank of Deputy Superintendent of Police vis-a-vis the directly recruited Deputy Superintendent of Police; if not, are Government prepared to modify the existing rules on the lines of the rules framed by the Government of India for Indian Police Service in keeping with the principle of Article 16 of the Constitution providing for equal opportunity to all

Government servants as well as according to Appointment Department order no. 111/RI-2010/55A—11505, dated 28th November, 1956 ?

Dr. S. K. SINHA : (1) The reply is in the affirmative.

(2) The reply to the first part of this clause is in the negative. While Government do not consider that the provisions of article 16 of the constitution or of the Appointment Department Notification No. III/RI-2010/55A—11505, dated 28th November, 1956 are relevant, the question of revision of the principle in the light of the I. P. S. Rules is separately under consideration of Government.

PROMOTION OF POLICE OFFICERS.

1373. Shri RAM JANAM MAHTO : Will the Chief Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that fourteen Deputy Superintendents of Police were recruited direct in 1949 in excess of their quota against departmental vacancies;

(2) if the reply to the clause (1) be in the affirmative, will Government be pleased to state if they are prepared to confirm equal number of Deputy Superintendents against the quota of direct recruits to compensate the loss sustained by the promoted officers ?

Dr. S. K. SINHA : (1) A wide gap in the then cadre of the Provincial Police Service was caused by the promotion of as many as twenty-six Deputy Superintendents of Police to the rank of Superintendents of Police in the vacancies caused by the retirement of European I. P. Officers and by the creation of a large number of temporary ex-cadre posts of Deputy Superintendent of Police, as a result of which, a large number of Inspectors of Police—even officiating Inspectors of Police were appointed to officiate as Deputy Superintendents of Police. The large number of promotions to the superior ranks caused deterioration in the efficiency of the Police Force and it was felt that in order to improve the moral and efficiency of the Force, some direct appointments to the Provincial Police Service should be made. Fourteen Deputy Superintendents of Police were, therefore, appointed by direct recruitment in excess of their quota.

Normally, the cadre of Deputy Superintendents of Police should be composed of direct recruits and promoted officers, each class holding half of the total posts in the cadre. Government are,